हम लोग' वाराणसी में रहते थे। हमारा घर गंगा के किनारे पर था। बड़ा-सा पर था। हम तीन भाई थे, और चार बहिनें । हम तीनों लड़के स्कूल जाते थे; लड़कियाँ घर पर रहती थीं। उस ज़माने में बहुत कम लड़कियाँ स्कूल जाती थीं। पैसे की कमी थी और लोग यह सोचते थे कि औरतों की जगह घर में है।

पिताजी स्कूल में पढ़ाते थे-लेकिन हमारे स्कूल में नहीं । उनका स्कूल हमारे घर से काफी दूर था। वे साइकिल से स्कूल जाते थे। सब लोग उनको "मास्टर जी" कहते थे। हम उनको "पापा" कहते थे और माताजी को "माँ" कहते थे।

कितना सुंदर मकान था हमारा ! कोई बग़ीचा नहीं था, लेकिन हम बच्चे लोग आँगन में ख़ूब खेलते थे। कभी कभी हम सड़को पर या नदी के किनारे पर भी खेलते थे। शाम को हम नदी पर नाव में सैर करते थे। ठंडी-सी हवा चलती थी। रात को हम छत पर सोते थे। मुझको उन दिनों की यादें बहुत आती हैं।

1- **Metinde geçen gramer kuralların analizini yaparak Türkçeye çevirmek.**